अतिक्रमण हटाने में भेदभाव बर्दाश्त नहीं

राज्य मंत्री कृष्णा गौर ने गोविंदपुरा क्षेत्र के वार्डों में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की

भोपाल, 19 जुलाई. अतिक्रमण हटाने में किसी प्रकार की लापरवाही या भेदभाव बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. दोषी पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी.

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री कृष्णा गौर ने अधिकारियों को यह चेतावनी शनिवार को गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा के दौरान दी. उन्होंने कहा निकाय अधिकारी अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से करें.

बनेगी सीसी रोड

राज्यमंत्री गौर ने इच्छापूर्ण महादेव मंदिर, सोनागिरी ए-सेक्टर में रोड, नाली, शेड और पार्क की बाउंड्रीवाल का कार्य शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए. आनंदनगर मल्टी का कार्य नवंबर तक पूर्ण करने और उसका नाम पंडित दीनदयाल उपाध्याय के नाम पर रखने का सुझाव दिया. विभिन्न कॉलोनियों में सीवेज चैंबर की सफाई, सीसी रोड एवं स्ट्रीट लाइटों के लिए इस्टीमेट तैयार करने को कहा गया.

अतिक्रमण हटाने के निर्देश

इंद्रपुरी सी-सेक्टर में दुकानदारों द्वारा किए गए 10-10 फीट तक के अतिक्रमण को हटाने के निर्देश दिए और कार्रवाई के दौरान पुलिस बल की उपस्थिति सुनिश्चित करने को कहा गया. सतनामी नगर, अर्जुन नगर, रोजवुड कॉलोनी आदि में नाले और सड़कों के निर्माण के लिए अतिक्रमण हटाने और स्ट्रीट लाइट कार्य में तेजी लाने के आदेश भी दिए गए.

अमृत 2.0 योजना से जुड़ेंगे सीवेज

इंद्रपुरी ए-सेक्टर में रोड निर्माण, मंदिर की छत और फ्लोरिंग, सीवेज लाइन सुधार के निर्देश दिए. नवोदा कैंसर हॉस्पिटल के पास गंदगी फैलाने पर नोटिस जारी करने के आदेश दिए गए. अमृत 2.0 योजना से सीवेज लाइन जोड़ने, पार्कों की सफाई, गड्ढों की मरम्मत व अतिक्रमण हटाने पर भी जोर दिया गया.

स्कूली बच्चों को बताया सीपीआर देने का तरीका

भोपाल, 19 जुलाई. एम्स भोपाल ने बाल रोग, ट्रॉमा और आपातकालीन चिकित्सा विभाग द्वारा इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स (आईएपी) सीपीआर जागरुकता माह के तहत छात्रों को जीवनरक्षक प्रशिक्षण प्रदान किया.

▸ एम्स भोपाल में दिया जीवन रक्षक प्रशिक्षण

14 जुलाई से 28 जुलाई तक मनाए जा रहे आईएपी सीपीआर जागरुकता माह के तहत सिल्वर बेल्स कॉन्वेंट स्कूल, बागमुगलिया में कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थियों के लिए सीपीआर (हृदय-फेफड़ा पुनर्जीवन) पर व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया. इस प्रशिक्षण सत्र का मुख्य उद्देश्य छात्रों को यह समझाना था कि अचानक हृदय गति रुकने (कार्डियक अरेस्ट) की स्थिति में समय पर सीपीआर देना किस प्रकार जीवन बचा सकता है. आंकड़ों के अनुसार, 70 प्रतिशत से अधिक हृदयाघात घरों या सार्वजनिक स्थलों पर होते हैं, जहाँ तक चिकित्सा सहायता समय से नहीं पहुँच पाती. यदि सीपीआर पहले 3-5 मिनटों के भीतर दिया जाए, तो जीवित रहने की संभावना दोगुनी या तिगुनी हो सकती है.

इस सत्र में श्वसन मार्ग में रुकावट (चोकिंग) जैसी आकस्मिक घटनाओं के प्रबंधन पर भी बल दिया गया. हाइम्लिक तकनीक, पीठ पर प्रहार और छाती पर धक्का जैसे सरल लेकिन प्रभावशाली तरीकों को विद्यार्थियों को सिखाया गया.

चोकिंग के कारण होने वाली आकस्मिक मृत्यु को रोकने में ये तकनीकें अत्यंत कारगर हैं, डॉ. गिरीश चंद्र भट्ट (प्रोफेसर, बाल रोग विभाग), डॉ. भूपेश्वरी पटेल (अतिरिक्त प्रोफेसर, ट्रॉमा एवं आपातकालीन चिकित्सा) और डॉ. बाबूलाल सोनी (सहायक प्रोफेसर, ट्रॉमा एवं आपातकालीन चिकित्सा) ने विद्यार्थियों को जीवनरक्षक तकनीकों का प्रदर्शन और अभ्यास करवाया. इनका सहयोग रेजिडेंट डॉक्टर, स्टाफ नर्स तथा तकनीकी कर्मियों ने किया.

सिल्वर बेल्स कॉन्वेंट स्कूल की प्राचार्य ने एम्स भोपाल की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम छात्रों को उनके परिवारों और समाज में फर्स्ट रिस्पॉन्डर के रूप में सशक्त बनाते हैं, जिससे समाज को लाभ होता है. यह जन-जागरुकता कार्यक्रम इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स की राष्ट्रव्यापी पहल का हिस्सा है, जिसका समापन 21 जुलाई को आईएपी राष्ट्रीय सीपीआर दिवस के रूप में होगा. इस अवसर पर एम्स के कार्यपालक निदेशक प्रो. अजय सिंह ने कहा- एम्स भोपाल का उद्देश्य नई पीढ़ी को जीवनरक्षक कौशल से सुसज्जित करना है.

एक नजर में

51 श्रद्धालु अमरनाथ रवाना

भोपाल. बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए शनिवार को राजधानी भोपाल से अमरनाथ यात्रियों का 13 वां जत्था रवाना हुआ. ओम शक्ति सेवा मण्डल के सचिव रिंकू भटेजा ने बताया कि 51 श्रद्धालुओं का यह जत्था मालवा एक्सप्रेस से रवाना हुआ, यह जत्था पहलगाम मार्ग से अमरनाथ धाम पहुंचकर बाबा बर्फानी के दर्शन करेगा. इस जत्थे का नेतृत्व ओम प्रकाश विश्वकर्मा एवं मनीष सोनी द्वारा किया जा रहा है.

बालिकाओं ने की आरती

भोपाल. श्री नेमिनाथ जैन मंदिर नेमिनगर करोंद में मुनि संस्कार सागर महाराज, वीकौशल सागर महाराज के सानिध्य में भगवान नेमिनाथ का अभिषेक, विशेष पूजा अर्चना के साथ धार्मिक अनुष्ठान हो रहे हैं. श्री विद्यासागर बालिका मंडल की बालिकाओं द्वारा वर्षा योग के दौरान 24 तीर्थंकर भगवान की आरती और शाम को भक्तांमर का वाचन किया जा रहा है.

हरियाली तीज उत्सव मनाया

भोपाल. रायसेन रोड स्थित एक भव्य मैरिज गार्डन में मेरा समाज भोपाल एवं महिला पर पोस्ट मेरा सामान समस्त मातृशक्ति के तत्वावधान में हरियाली तीज उत्सव मनाया गया, इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए.

शौर्य, अदम्य साहस की प्रतिमूर्ति थीं लोकमाता

रंगश्री लिटिल बैले ट्रुप में लोकमाता अहिल्या नाटक का मंचन

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल 19 जुलाई. रंगश्री लिटिल बैले ट्रुप में शनिवार को यंग्स थिएटर फाउंडेशन, भोपाल के द्वारा लोकमाता अहिल्या नाटक की प्रस्तुति दी गई. यह नाटक पूर्ण रूप से अहिल्या बाई के जीवन की सामाजिक, पारिवारिक परिस्थितियों के साथ स्त्री के अस्तित्व, संघर्ष, और उसके पहचान की आवाज को संजोता हुआ दिखाई पड़ा.

नाटक में अहिल्या बाई की शिव भक्ति और प्रेम की यात्रा को बड़े ही भाव भंगिमा के साथ प्रस्तुत किया गया. शौर्य, अदम्य साहस, राजा और प्रजा के बीच अभेद विश्वास के साथ श्रद्धा का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करने वाली धर्म की प्रतिमूर्ति महान शासक अहिल्याबाई होलकर के जीवन और संघर्ष को दिखाता हुआ यह नाटक उमेश कुमार चौरसिया द्वारा लिखा गया है. जिसका मंचन एवं निर्देशन संस्कृतिधर्मी सरफराज़ हसन द्वारा किया गया. नाटक की विशेष बात यह रही कि लेखन से हटके सरफराज़ हसन द्वारा अनन्य शिवभक्त अहिल्या की कहानी,

स्वयं मंच पर शिव पार्वती जी की के चरित्रों व संवादों से रचकर भगवान और भक्त की भावनात्मक दृष्टि को अत्यंत सुंदरता से प्रस्तुत किया. जो देशभर में हुए अहिल्याबाई के विषय पर हुए नाटकों से अलग है. इस नए प्रयोग ने सावन माह में दर्शकों को भी शिवभक्ति से ओतप्रोत और भक्तिमय कर दिया. नाटक में भावुकता से सभी पात्रों के संवादों को कहने का प्रयास किया गया जिससे दर्शक भावुकता के साथ कहानी से जुड़े रहे.

नाटक के मुख्य पात्रों में शिव के किरदार में वरुण महापात्र, पार्वती के किरदार में माही चौधरी और अहिल्या के किरदार में अनन्य उपाध्याय, आकांक्षा भदौरिया अहिल्या, सपना पवार सहित माही चौधरी, डॉ. पुनी चन्द्र, गौतम लोधी, आदिल, अतुल धाकड़, निकिता ठाकुर, राहुल निमिया, जयदीप चक्रधर, अभिषेक वस्तु अन्य किरदारों के रूप में नज़र आए.

हिंदी बन रही वैश्विक विमर्श का हिस्सा

भोपाल, 19 जुलाई. रबींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, रायसेन द्वारा विश्व रंग फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित विश्व रंग अंतरराष्ट्रीय हिंदी शोधार्थी सम्मेलन का समापन वैचारिक और सांस्कृतिक माहौल में हुआ.

कार्यक्रम की समन्वयक डॉ

टैगोर विवि में विश्व रंग अंतरराष्ट्रीय हिंदी शोधार्थी सम्मेलन का समापन

सावित्री सिंह परिहार ने बताया कि इस दो दिवसीय सम्मेलन में ओमान, कतर, अर्मेनिया, संयुक्त राज्य अमेरिका, अफगानिस्तान, चीन और भारत के अलग-अलग राज्यों से आये शोधार्थियों ने हिस्सा लिया. अतिथियों ने शोधार्थी विजेताओं को सर्टिफिकेट और नगद राशि देकर सम्मानित किया.

समापन सत्र के मुख्य अतिथि डॉ करुणाशंकर उपाध्याय, विभाग अध्यक्ष हिंदी मुंबई विश्वविद्यालय ने कहा कि विश्व स्तरीय व्यक्तित्व

भारतीय भाषा में ही पैदा होते हैं. कार्यक्रम के अध्यक्ष कुलाधिपति संतोष चौबे ने कहा कि भारतीय, राष्ट्रीय और सांस्कृतिकता को मजबूत करने वाली शोध को प्राथमिकता दी जानी चाहिए. हिंदी वैश्विक भाषा बनने वाली है इस पर शोध की आवश्यकता है. हिंदी और तकनीक को जोड़कर देखा जाना चाहिए. भाषा सत्तात्मक विमर्श है इस पर भी चर्चा करना होगा.

विशिष्ट अतिथि ब्रिटेन से पधारीं डॉक्टर वंदना मुकेश ने कहा कि शोध जीवन से कभी समाप्त नहीं होता. शोध से ही जीवन में जीवंतता बनी रहती है. हम हमेशा शोध करते ही रहते हैं केवल एकेडमिक रहती है. अमेरिका से पधारीं कुसुम नेपशिक ने बताया कि विदेशों में लोग हिंदी पढ़ रहे हैं क्योंकि वह अपनी जड़ों और संस्कृति से जुड़ना चाहते हैं. उन्होंने अमेरिका में हिंदी पढ़ना और वहां की उत्सुकता को विस्तार से बताया. डॉ. आशुतोष ने बताया कि हिंदी का गुणात्मक विस्तार हो रहा है जबकि हमें हिंदी का गुणात्मक विस्तार करना है.

डिस्प्ले क्लासीफाइड